राज्य आनंद संस्थान

वर्ष : 2, अंक -6 माह - मई 2023
www.anandsansthanmp.in

आनंद सभा हेतु शिक्षकों की तैयारी कार्यशाला

मध्यप्रदेश में आनंद सभा के माध्यम से राज्य आनंद संस्थान द्वारा स्कूली शिक्षा में मानवीय मूल्यों को सम्मिलित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्य के दौरान कक्षा नवीं से 12वीं के छात्रों के लिए **"आनंद सभा- मानवीय मूल्यों के आधार पर"** कार्यक्रम विगत समय में विकसित किया गया। मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के साथ बनी सहमति के आधार पर इस कार्यक्रम को प्रदेश के सभी 274 सी.एम. राइज विद्यालयों तथा उत्कृष्ट विद्यालयों में इस शैक्षणिक सत्र के दौरान संचालित किया जाना है।

इस हेतु अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, यू.एच.वी. तथा स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से सभी सी.एम. राइज तथा उत्कृष्ट विद्यालयों से 700 से अधिक चयनित शिक्षकों का आनंद सभा संचालन हेतु 06 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के 06 बैच का आयोजन मई व जून माह में किया गया। प्रशिक्षण कार्यशालाओं के दौरान मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग के माननीय मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरुण समी, आनंद विभाग के प्रमुख सचिव श्री संजीव कुमार झा आदि ने भी समय-समय पर आकर प्रतिभागियों को अपने उद्बोधन से प्रेरित किया। राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अखिलेश अर्गल तथा लोक शिक्षण संचालनालय के अपर संचालक श्री धीरेन्द्र चतुर्वेदी, ने सभी कार्यशालाओं में भागीदारी करते हुए सभी का स्वागत किया।

कार्यशाला संचालन में प्रमुख सहयोगी

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन हेतु AICTE ने प्रशिक्षक उपलब्ध कराए, जिनमें प्रमुख रूप से प्रो. भानुप्रताप सिंह, प्रो. वंचना सिंह, डॉ. गौरव मिश्रा, प्रो. मोहित श्रीवास्तव, डॉ. दिलाशाद हुसैन के साथ उनकी टीम ने भोपाल में आकर इस कार्यक्रम का संचालन किया। राज्य आनंद संस्थान के आनंदक श्री शिरीष सुमन शर्मा, डॉ. रूपा आनंद, श्री हेमंत त्रिवेदी, सुश्री पुनीत मैनी, श्री लखनलाल असाटी, श्री मनीष परमार, श्री कैलाश भावसर, श्री सुधीर आचार्य, श्री रमेश व्यास, श्री बलबीर बुंदेला, श्री कौशल किशोर बुटोलिया, श्रीमती ऊषा व्यास, श्रीमती दीप्ति ठाकुर, श्रीमती मंजू दाहिमा आदि ने सहयोग प्रदान किया। लोक शिक्षण संचालनालय के उप संचालक श्री सच्चिदानंद प्रसाद, श्री शंकर खत्री, श्री हरीश, श्री धीरेन्द्र सिंह तोमर आदि ने भी इस पूरे कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

श्री अखिलेश अर्गल
मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
राज्य आनंद संस्थान

नमस्कार साथियों,

शिक्षा का मूल उद्देश्य छात्रों के भावी जीवन को दक्षता से जीने का आधार प्रदान करना है। हमें सफल और परिपूर्ण जीवन के अंतर को समझना आवश्यक है। इसी मकसद से इस शैक्षणिक सत्र से सीएम राईज एवं उत्कृष्ट विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के साथ आनंद सभा का नियमित कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस हेतु संस्थान द्वारा इन स्कूलों के लगभग 700 शिक्षकों का 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया गया, जिससे बच्चों के साथ इस विषय पर चर्चा करने के पूर्व शिक्षक स्वयं इस विषय को आत्मसात कर सके।

संस्थान द्वारा देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से आनंद शिविर कार्यक्रम संचालित किया जाता है। इस कार्यक्रम अंतर्गत इनीशिएटिव ऑफ चेंज पंचगनी में 40 अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। अल्पविराम कार्यक्रम संस्थान का प्रमुख कार्यक्रम है। माह मई के दौरान ऊर्जा विभाग तथा बी.एच.ई.एल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक दिवसीय अल्पविराम परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही 38 आनंदकों के साथ तीन दिवसीय सहयोगी रिफ्रेशर कार्यक्रम आयोजित हुआ।

मुरैना जिले के आनंदकों द्वारा आनंद यात्रा के रूप में एक नवाचार किया गया, जिसके तहत उस जिले के आनंदकों के समूह ने अन्य 8 जिलों की यात्रा कर संस्थान के कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार किया गया। इस आनंद यात्रा पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आये हैं। आशा है, आप सभी लोग इसी तरह मिलकर प्रदेश में आनंद के प्रसार में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

शासकीय अधिकारियों के लिए पंचगनी में आयोजित आनंद शिविर

राज्य आनंद संस्थान शासकीय सेवकों को आनंदित जीवन की विधा तथा कार्यस्थल पर आनंद के साथ कार्य निष्पक्ष की पद्धति को बढ़ावा देने के लिए देश के प्रतिष्ठित संस्थानाओं के सहयोग से आनंद शिविर का आयोजन करता है। इसी क्रम में 04 दिवसीय आनंद शिविर का आयोजन Iofc पंचगनी में किया गया, जिसमें प्रदेश के 40 अधिकारियों ने भागीदारी की।

ज्ञातव्य हो कि इस प्रकार के शिविर में भागीदारी करने वाले शासकीय सेवकों के प्रशिक्षण शुल्क का वहन राज्य आनंद संस्थान करता है। कोई भी शासकीय सेवक अपने सेवाकाल में किसी एक शिविर में भागीदारी कर इस कार्यक्रम के अंतर्गत कर सकता है।

पंजीयन : इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthanmp.in पर अपना पंजीयन कराना होता है। पंजीयन शुल्क 500 रुपये है, जो प्रतिभागी को देना होता है। शिविर की घोषणा समय-समय पर की जाती है। इस हेतु संस्थान की वेबसाइट पर देखते रहें।

संपादन : सत्यप्रकाश आर्य, **सहयोग :** अनिल वर्मा,

प्रशिक्षण कार्यक्रम - आनंदम सहयोगी रिफ्रेशर

संस्थान के कार्यक्रमों को संचालित करने में आनंदकों की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है। इस कार्य को वे अच्छे से कर सकें, इसके लिए क्रमबद्ध रूप से अल्पविराम परिचय, सहयोगी रिफ्रेशर तथा प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कराया जाता है। इस पूरे क्रम में आनंदम के स्वयं में हुए परिवर्तन तथा उसकी समाज में आनंद प्रसारित करने की इच्छा के आधार पर अगले क्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ उन्हें जोड़ा जाता है।

इसी प्रकार के 38 आनंदकों को मई माह के 08 से 10 तारीख को तीन दिवसीय रिफ्रेशर कार्यक्रम में जोड़ा गया।इस दौरान बंगलुरु के संचार विशेषज्ञ श्री दिलीप पटेल तथा जमशेदपुर से आए डॉ. अमित मुखर्जी ने प्रतिभागियों को परिपूर्ण एवं आनंदित जीवन जीने की पद्धति अल्पविराम के विभिन्न क्षेत्रों खासतौर पर जीवन का लेखा जोखा, संपर्क सुधार व दिशा, संबंध आदि पर गहराई से चर्चा की व चिन्तन के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला संचालन में सहयोग के लिए मध्यप्रदेश के आगर मालवा जिले के मास्टर ट्रेनर श्री मनीष परमार, विदिशा की मास्टर ट्रेनर श्रीमती अंजना श्रीवास्तव तथा टीकमगढ़ राज्य आनंद संस्थान के डीपीएल श्री नितिन बबेले ने भी अपना योगदान दिया।

अल्पविराम परिचय के विशेष कार्यक्रम

ऊर्जा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष अल्पविराम परिचय कार्यक्रम का आयोजन 05 मई 2023 को संस्थान भवन में किया गया। कार्यक्रम संचालन निवाड़ी के डी.पी.एल. श्री व्ही.के. पुरोहित एवं भोपाल से मास्टर ट्रेनर श्रीमती वंदना श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में ऊर्जा विभाग के 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भेल अधिकारियों के लिए विशेष अल्पविराम परिचय कार्यक्रम 19 मई 2023 को संस्थान के भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विदिशा के मास्टर ट्रेनर श्री संजय श्रीवास्तव एवं देवास की डी.पी.एल. डॉ. समीरा नईम ने किया। इस कार्यक्रम में बी.एच.ई.एल. के जनरल मैनेजर (एच.आर.डी.) सहित 42 अधिकारियों ने भाग लिया।

मुरैना के आनंदकों ने निकाली 'आनंद यात्रा'

मुरैना जिले के आनंदकों ने 28 मई से डॉ. सुधीर आचार्य के नेतृत्व में निकाली यात्रा के दौरान आनंदक प्रदेश के 8 जिलों में गए तथा वहां के स्थानीय आनंदकों, जिला नोडल अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी, मास्टर ट्रेनर, आनंदम सहयोगी, आनंद क्लब, आनंदम केन्द्र के संचालकों आदि के साथ जिले में आनंद की गतिविधियों सशक्त करने के बारे में चर्चा की।

प्रदेश के श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, टीकमगढ़, निवाड़ी, दतिया तथा भिण्ड जिले में निकली इस यात्रा के दौरान जिला मुख्यालय पर भेंट-मुलाकात के अलावा स्थानीय सामाजिक संगठनों, शासकीय संस्थानों के साथ अल्पविराम परिचय, आनंद ग्राम में कार्यक्रम, आनंदम केन्द्र का भ्रमण तथा स्थानीय कार्यक्रमों में भागीदारी की गई। यात्रा के दौरान आनंदकों ने ग्रामवासियों के साथ चौपाल लगाकर आनंदित जीवन जीने की पद्धति तथा आनंद ग्राम की परिकल्पना पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही यात्रा के जिलों में संचालित आनंद क्लब के कार्यों में भी भागीदारी की। आनंदम केन्द्र पर जाकर उनके संचालकों का मनोबल बढ़ाया। यात्रा के दौरान सभी कार्यक्रमों में लोगों के साथ राज्य आनंद संस्थान - आनंद विभाग के सभी कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जागरुक किया गया तथा उनसे अनुरोध किया गया कि स्थानीय स्तर पर, अपने आंतरिक आनंद को बढ़ाने के लिए इन कार्यक्रमों में भागीदारी करें।

इन जिलों के जिला संपर्क व्यक्ति, डी.पी.एल. ने यात्रा में शामिल आनंदकों का स्वागत किया तथा अपने जिले में यात्रियों के आवास, भोजन व कार्यक्रम आयोजन की पूरी व्यवस्था की। इसमें स्थानीय जिला प्रशासन का सहयोग आनंदकों को प्राप्त हुआ। यात्रा में मुरैना के आनंदक श्री बालकृष्ण शर्मा, श्री विश्वनाथ सिंह गुर्जर, श्री अरविन्द मवई, श्री दुष्यंत सिंह तोमर, श्री मनोज शर्मा, श्री अंकित मिश्रा तथा श्री कृष्णवीर सिंह तोमर शामिल रहे।